राजकीय विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाएँ

- राजकीय विद्यालयों में योग्यताधारी व प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा शिक्षण कार्य।
- विद्यार्थी एवं विद्यालय के विकास के लिए समस्त विद्यालयों में विद्यालय प्रबन्धन समिति संचालित जिसमें अभिभावक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी स्वयं तथा शिक्षक की सहभागिता।
- प्रतिमाह विद्यालय प्रबन्धन समिति (एस.एम.सी.) की कार्यकारिणी समिति की बैठक।
- कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा के साथ-साथ नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें, मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) एवं विद्यार्थी सुरक्षा दुर्घटना बीमा।
- कक्षा 8 के मेघावी एवं पात्र विद्यार्थियों को लेपटॉप वितरण।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग हेतु एवं प्री कारगिल तथा पोस्ट कारगिल युद्ध में शहीद/स्थायी विकलांग सैनिकों के बच्चों के लिए नियमानुसार छात्रवृत्ति।
- बाल-सभा के माध्यम से विद्यार्थियो ं को अभिव्यक्ति के अवसर एवं विद्यालयों का समुदाय से जुड़ाव।

समावेशी शिक्षा

राज्य में समग्र शिक्षा अभियान के समावेशित शिक्षान्तर्गत कक्षा 1 से 12 में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं हेतु निम्न सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की जाती है :-

1. ब्रेल पुस्तकों एवं लार्ज प्रिन्ट पुस्तकों की व्यवस्था।
2. मेडिकल कम असेसमेन्ट कैम्प।
3. अंग-उपकरण वितरण।
4. परिवहन भत्ता।
5. एस्कॉर्ट भत्ता।
6. रीडर भत्ता।
7. बालिकाओं हेतु भत्ता (Stipend for Girls)
8. पूर्ण दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित बालिकाओं हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

बच्चों की सुविधा एवं मदद के लिए नि:शुल्क
हेल्पलाइन नं. 1098

प्रकाशक
राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर

आओ सीखें

कक्षा–1

भाग–3

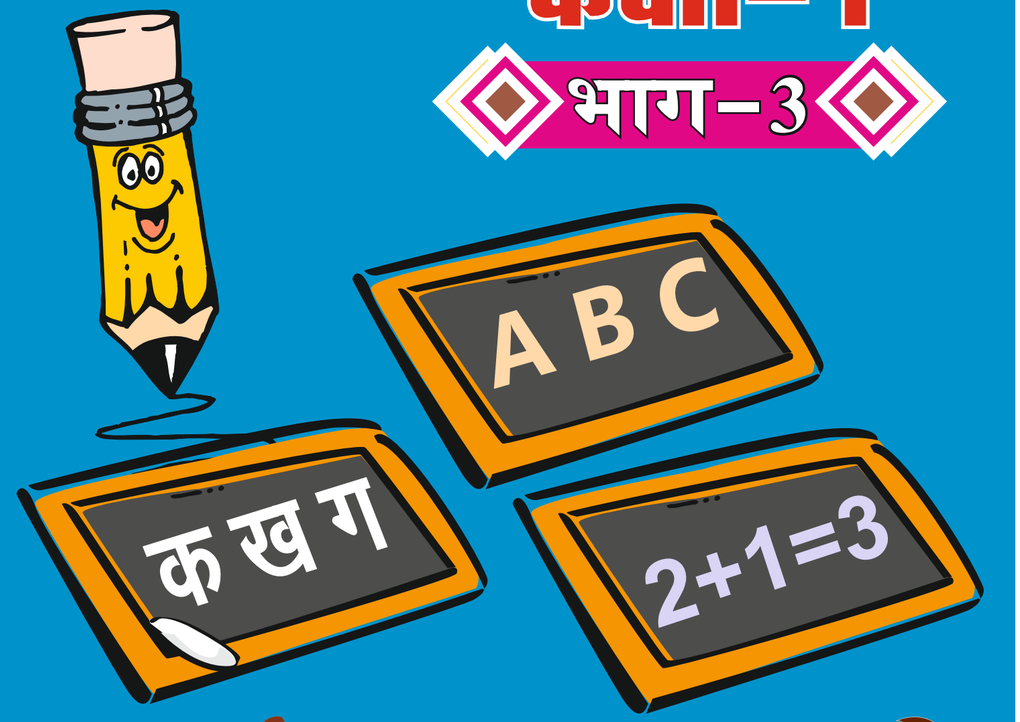

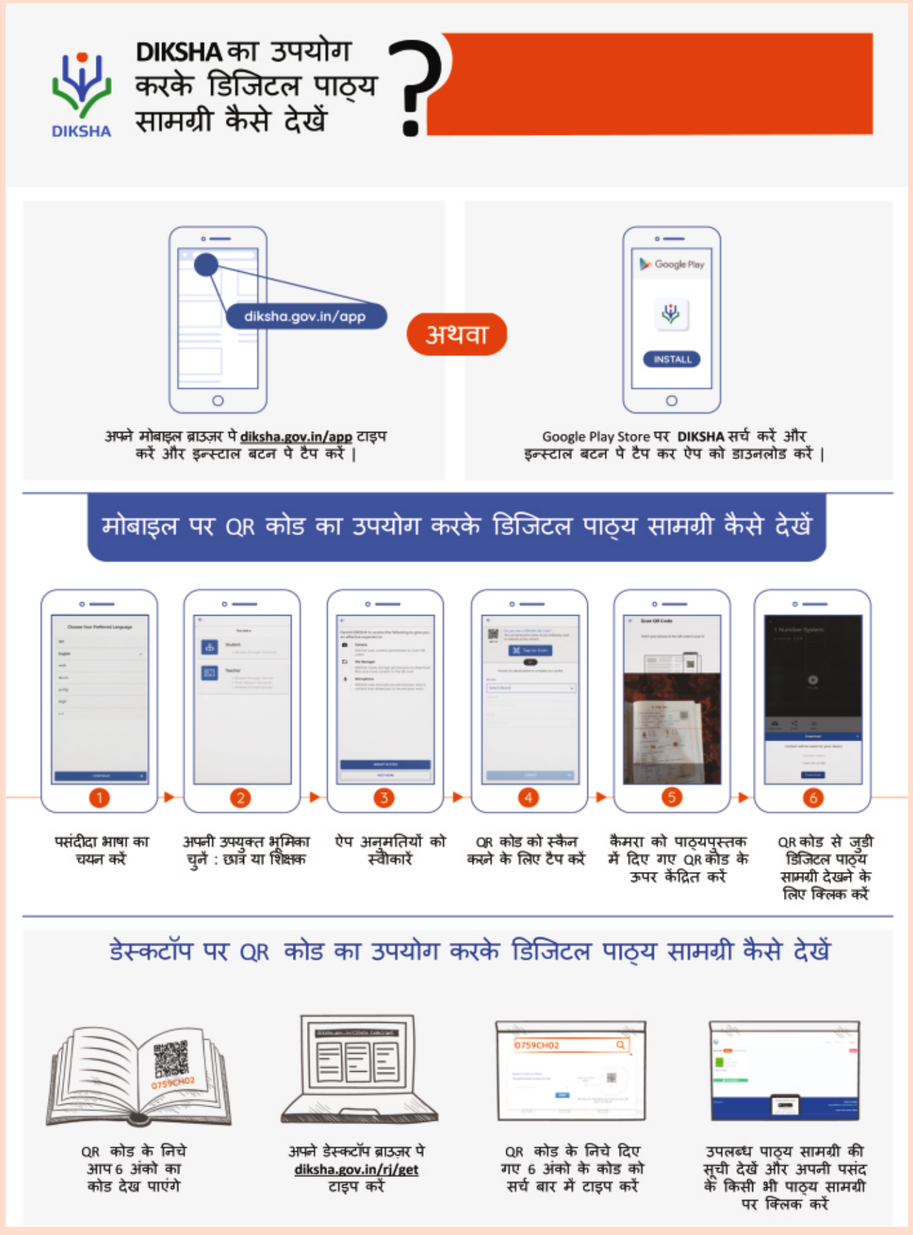

DIKSHA

DIKSHA का उपयोग करके डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे देखें ?

अपने मोबाइल ब्राउज़र पे **diksha.gov.in/app** टाइप करें और इन्स्टाल बटन पे टैप करें।

अथवा

Google Play Store पर DIKSHA सर्च करें और इन्स्टाल बटन पे टैप कर ऐप को डाउनलोड करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग करके डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे देखें

1. पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी उपयुक्त भूमिका चुनें : छात्र या शिक्षक
3. ऐप अनुमतियों को स्वीकारें
4. QR कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा को पाठ्यपुस्तक में दिए गए QR कोड के ऊपर केंद्रित करें
6. QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री देखने के लिए क्लिक करें

डेस्कटॉप पर QR कोड का उपयोग करके डिजिटल पाठ्य सामग्री कैसे देखें

QR कोड के निचे आप 6 अंको का कोड देख पाएंगे

अपने डेस्कटॉप ब्राउज़र पे **diksha.gov.in/rj/get** टाइप करें

QR कोड के निचे दिए गए 6 अंको के कोड को सर्च बार में टाइप करें

उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखें और अपनी पसंद के किसी भी पाठ्य सामग्री पर क्लिक करें

हाथ धोने के पांच आसान चरण

सबसे पहले होता है हाथ गीला,
फिर हाथ पे नाचे साबुन रंगीला,

हाथ से होता फिर हाथ का साथ,
फिर घूम के आगे पीछे खेले हाथ,

खेलो तब उंगलियों में घुसकर,

फिर चलाओं नाखूनों का चक्कर

हाथ करें फिर पानी में छम–छम,
क्योंकि साफ हाथ में ही है दम''

MHRD | Government of India
Ministry of Human Resource Development

Digital India

ePathशाला
learning on the go

DOWNLOAD
the app today

available on all three platforms

Hold the QR code scanner of your smartphone (with free to download QR code reader) over this code to download the app.

आओ सीखें

कक्षा–1

भाग–3

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

प्रकाशक

राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल, जयपुर

संस्करण :

मुद्रित संख्या :

मुद्रक :

प्रथम संस्करण :

मुद्रण :

©
©
©

सर्वाधिकार सुरक्षित

मूल्य :

पेपर उपयोग :

आवरण पृष्ठ

डॉ. जगदीश कुमावत, आर.एस.सी.ई.आर.टी
हेमन्त आमेटा, आर.एस.सी.ई.आर.टी

प्रकाशन :

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

प्राक्कथन

बदलती हुई परिस्थितियों के अनुरूप शिक्षा में परिवर्तन होना जरूरी है, तभी विकास की गति तेज होती है। विकास में सहायक कई तत्त्वों के अलावा शिक्षा भी एक प्रमुख तत्त्व है। विद्यालयी शिक्षा को प्रभावशाली बनाने के लिए पाठ्यचर्या को समय–समय पर बदलना एक आवश्यक कदम है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 तथा निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार समस्त शिक्षण प्रक्रिया बाल केन्द्रित हैं। हमारी सिखाने की प्रक्रिया इस प्रकार हो कि विद्यार्थी को ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता दी जाए, इसके लिए शिक्षक एक सहयोगी के रूप में कार्य करें। पाठ्यचर्या को सही रूप में पहुँचाने के लिए पाठ्यपुस्तक महत्त्वपूर्ण साधन है। अतः बदलती पाठ्यचर्या के अनुरूप ही पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तन कर राज्य सरकार द्वारा नवीन पाठ्यपुस्तक तैयार कराई गई है।

पाठ्यपुस्तक तैयार करने में यह ध्यान रखा गया है कि पाठ्यपुस्तक सुरूचिपूर्ण, सुग्राह्य एवं आकर्षक हो, जिससे विद्यार्थी सरल भाषा, चित्रों एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इनमें उपलब्ध ज्ञान को आत्मसात् कर सके। साथ ही वह अपने सामाजिक एवं स्थानीय परिवेश से जुड़े तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक गौरव, संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ एवं निष्ठा बनाते हुए एक अच्छे नागरिक के रूप में अपने को स्थापित कर सके।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (आर.एस.सी.ई.आर.टी.) उदयपुर, पाठ्यपुस्तक विकास में सहयोग के लिए उन समस्त राजकीय एवं निजी शिक्षण संस्थाओं, संगठनों यथा एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली, राज्य सरकार, भारतीय जनगणना विभाग, आहड़ संग्रहालय उदयपुर, जनसंपर्क निदेशालय जयपुर, राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल जयपुर, विद्या भारती, विद्याभवन संदर्भ केन्द्र पुस्तकालय, उदयपुर तथा विभिन्न वेबसाइट के प्रति आभार व्यक्त करता है जिन्होंने पाठ्यपुस्तक निर्माण में सामग्री उपलब्ध कराने एवं चयन में सहयोग दिया। हमारे प्रयासों के बावजूद किसी लेखक, प्रकाशक, संस्था, संगठन और वेबसाइट का नाम छूट गया हो तो हम उनके भी आभारी हैं।

पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु श्रीमती मंजू राजपाल, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, श्री प्रदीप कुमार बोरड़, आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् एवं श्री हिमांशु गुप्ता निदेशक, प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान सरकार का सतत्

मार्गदर्शन एवं अमूल्य सुझाव परिषद् को प्राप्त होते रहे हैं। अतः परिषद् आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता है।

स्कूली विद्यार्थियों के बस्ते का बढ़ता बोझ एक सर्वमान्य समस्या मानी जा सकती है। इससे विद्यार्थियों के शारीरिक एंव मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस हेतु यशपाल समिति (1993) द्वारा बालको के बस्ते के बोझ को कम करने की सिफारिश की गई थी। सत्र 2019–20 में समग्र शिक्षा के तहत आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् के निर्देशानुसार पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप फाउण्डेशन के सहयोग से राज्य के 33 जिलों के विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों को त्रैमासिक आधार पर विभाजित कर 'पायलेट प्रोजेक्ट' का शुभारंभ किया गया था। प्राप्त सकारात्मक परिणाम के अनुसार वर्तमान में राज्य सरकार के आदेशानुसार राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (आर.एस.सी.ई.आर.टी.) द्वारा कक्षा 1 से 5 हेतु त्रैमासिक पाठ्यपुस्तको में समस्त विषयो को क्रमबद्व समाहित कर प्रत्येक कक्षा हेतु भाग 1, भाग 2, भाग 3 के रूप में निर्मित की गई है जिससे विद्यालय में विद्यार्थी को आवश्यकतानुसार पुस्तक के भाग को लेकर ही विद्यालय जाना होगा।

मुझे इस पुस्तक को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है, साथ ही यह विश्वास है कि यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी और अध्ययन–अध्यापन एवं विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास की एक प्रभावशाली कड़ी के रूप में कार्य करेगी।

विचारों एवं सुझावों को महत्त्व देना लोकतंत्र का गुण है। अतः राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर सदैव इस पुस्तक को और श्रेष्ठ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आपके बहुमूल्य सुझावों का स्वागत करेगा।

निदेशक

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

संरक्षक : प्रियंका जोधावत, निदेशक, आर.एस.सी.ई.आर.टी., उदयपुर

मुख्य समन्वयक : ललित शंकर आमेटा, उपनिदेशक, आर.एस.सी.ई.आर.टी, उदयपुर

समन्वयक : आशा माण्ड़ावत, एसो. प्रोफेसर, आर.एस.सी.ई.आर.टी, उदयपुर
सविता जोशी, असि. प्रोफेसर, आर.एस.सी.ई.आर.टी, उदयपुर

विषय-हिंदी

लेखन समिति : यशोदा दशोरा, प्रधानाध्यापिका, राबाउप्रावि, प्रतापनगर, प्रथम उदयपुर (संयोजक)

डॉ. गोविन्दनारायण कुमावत, प्रधानाचार्य, राउमावि, ड्योढ़ी, जयपुर

तोषी सुखवाल, अध्यापिका, केजीबीवी, मावली, उदयपुर

मीनाक्षी शर्मा, अध्यापिका, राबाउप्रावि, जवाहरनगर, उदयपुर

विमलेश कुमार शर्मा, अध्यापक, राप्रावि, ढ़ाणी रामगढ़, सवाई माधोपुर

हरिवल्लभ बोहरा, प्रधानाचार्य, राउमावि, छत्रैल, जैसलमेर

दिनेश वैष्णव, संदर्भ व्यक्ति, डाइट, बारां

राजेश गहलोत, प्रधानाध्यापक, आदर्श विद्यामंदिर, पाली

शिवमृदुल, से.नि. व्याख्याता, चित्तौड़गढ़

डॉ. कृष्णकांत चौहान, अध्यापक, राउप्रावि, लकापा, सलूम्बर, उदयपुर

विषय-अंग्रेजी

लेखन समिति : दामोदर लाल काबरा, से.नि. प्रधानाचार्य, चित्तौड़गढ़ (संयोजक)

सुभाष चन्द्र मंगल, प्रधानाचार्य, राउमावि, शेरगढ़, मसूदा, अजमेर

रमाकांत शर्मा, अध्यापक, राउमावि, बेगुस, जयपुर

मनोज दाधीच, वरिष्ठ अध्यापक, रामावि, कालिवास (गिर्वा), उदयपुर

माधव लाल जाट, से.नि. प्रधानाचार्य, चित्तौड़गढ़

सरोज कंवर, प्रधानाचार्य, रा.बा.उ.मा.वि., अमरसर, जयपुर

पुरूषोत्तम गुप्ता, प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि., खजलपुरा, जयपुर

राजीव मिश्रा, प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि., दरा स्टेशन, कोटा

राहुल शर्मा, डाइट, कोटा

आशुतोष तुली, व्याख्याता, आर.एस.सी.ई.आर.टी, उदयपुर

गजेन्द्र कुमार शर्मा, व्याख्याता, रा.उ.मा.वि., हिड़ौन सिटी

देवेन्द्र भारद्वाज, व्याख्याता, रा.उ.मा.वि., दुर्गापुरा, जयपुर

अरूणा शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक, के.जी.बी.वी., डाबिच, जयपुर

तरूण मित्तल, वरिष्ठ अध्यापक, रा.मा.वि., ठूँसरा, बारां

डॉ. धीरज जोशी, अध्यापक, रा.प्रा.वि., सुन्दरग्राम, बांसवाड़ा

पूनम शर्मा, अध्यापक, रा.उ.मा.वि., कुचामन सिटी

विषय-गणित

लेखन समिति : रणवीर सिंह, उपप्रधानाचार्य, डाईट, कोटा (समन्वयक)

रुपेन्द्र मोहन शर्मा, जिला सचिव, विद्या भारती बा.उ.मा. आदर्श विद्या मंदिर, दौसा (संयोजक)

डॉ. अनिल कुमार दशोरा, प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि., कैलाशपुरी, उदयपुर

मीना श्रीमाली, अध्यापिका, रा.उ.मा.वि., दादिया, गोगुन्दा, उदयपुर

शहनाज़, अध्यापिका, रा.उ.प्रा.वि., गाडरियावास, भींडर, उदयपुर

आवरण एवं साज–सज्जा : डॉ. जगदीश कुमावत, प्राध्यापक, आर.एस.सी.ई.आर.टी., उदयपुर

चित्रांकन : निर्मल कुमार टेलर, उदयपुर

डॉ. सत्यनारायण सुथार, व्याख्याता, डाईट, नाथद्वारा

जगदीश नन्दवाना, प्राध्यापक, रा.उ.मा.वि., राजसमन्द

जयप्रकाश माली, अध्यापक, रा.उ.मा.वि., भागरोतों का गुडा, उदयपुर

तकनीकी कार्य : हेमन्त आमेटा, प्राध्यापक, आर.एस.सी.ई.आर.टी, उदयपुर

क्यू.आर. कोड : रविन्द्र कुमार शर्मा, प्राध्यापक, आर.एस.सी.ई.आर.टी, उदयपुर

शिक्षकों से...

"हृदय स्रोत बहता रहे,
प्रेम सलिल से पूर्ण।
कर्म में नित रत रहें,
यही नीति सम्पूर्ण।।"

विद्वजन,

शिक्षा की धारा नदी की भांति निरंतर खोज, अन्वेषण एवं नई–नई दिशा में आगे बढ़ने की उत्कंठा रखती है एवं परिवर्तनों को समाहित करते हुए आगे बढ़ती रहती है। परिवर्तनशील परिवेश के साथ सामंजस्यपूर्ण स्थिति बनाए रखने के लिए शैक्षिक प्रक्रियाओं में भी परिवर्तन आवश्यक है। इसी परिवर्तनशीलता के साथ, समसामयिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों को समीक्षा उपरान्त, नवीन कलेवर में प्रस्तुत किया जा रहा है। कक्षा 1 व 2 के तीन विषयों (हिंदी, अंग्रेजी, गणित) एवं कक्षा 3, 4, 5 को चार विषयों (हिंदी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन) को त्रैमासिक आधार पर भाग–1, भाग–2, भाग–3 में विभाजित कर संपूर्ण सत्र के लिए तीन पाठ्यपुस्तकें निर्मित की गई हैं। विद्यार्थियों के लिये बस्ते का बोझ कम करने की दिशा में, राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय की अनुपालना आर.एस. सी.ई.आर.टी. द्वारा की गई है।

शिक्षकवृंद, उक्त क्रम में नवीन सत्र में अध्यापन हेतु आप का ध्यान निम्नांकित मुख्य बिन्दुओं की ओर आकर्षित किया जा रहा है–

- इस पुस्तक में कक्षानुसार सभी विषय समाहित हैं, एवं प्रत्येक विषय के लर्निंग आउटकम भी पुस्तक में दिये गये हैं। आप भाषा, गणित, पर्यावरण अध्यापन में विषय विशेष की Pedagogy को अपनाएं इससे विद्यार्थी अधिगम प्रतिफल अर्जित कर सकेंगे।
- अध्ययन, अध्यापन प्रक्रिया में NCF 2005 के मार्गदर्शन सिद्धांतों को अवश्य अपनाएं–
  - ➢ प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी क्षमता, कौशल होते हैं, अतः प्रत्येक विद्यार्थी को इसे व्यक्त करने का मौका प्रदान किया जाना चाहिए।
  - ➢ जीवन एवं ज्ञान के मध्य की दूरी को समाप्त कर बाल केन्द्रित शिक्षण प्रक्रिया अपनाएं।
  - ➢ कक्षा–कक्ष शिक्षण को गतिविधि आधारित रखें।
  - ➢ पढ़ाई को रटन्त प्रणाली से मुक्त रखें।
  - ➢ राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति आस्थावान विद्यार्थी तैयार करने में अपना श्रेष्ठतम देने का प्रयास करें।
- कक्षा में समूह आधारित शिक्षण करवायें। यह सभी विद्यार्थियों का कक्षानुसार स्तर बनाने में उपयोगी रहेगा।
- आपको पाठ्यपुस्तक भाग–1, भाग–2, भाग–3 के अध्यापन में तारतम्यता बनाए रखनी है। समय–समय पर पुनरावृत्ति को अध्यापन में सम्मिलित करें एवं विद्यार्थी द्वारा अर्जित ज्ञान को स्थाई रखने हेतु निरंतर प्रयासरत रहें।
- कक्षावार एवं विषयवार प्रत्येक भाग की समाप्ति के बाद, नए भाग के प्रारम्भ होने पर पूर्व के भाग की पाठ्य सामग्री पुनरावृत्ति हेतु दी गई है। इससे विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक के तीनों भाग एवं पूर्व ज्ञान को सहेज सकेंगे।

अध्यापक जीवन की सार्थकता निरन्तर ज्ञानार्जन में है, आपकी प्रतिभा एवं सर्वश्रेष्ठ प्रयासों से प्रस्तुत संस्करण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का साधक सिद्ध हो सकेगा, इसी विश्वास के साथ–

अभिभावकों से...

प्रिय अभिभावक,

शिक्षा जीवन का आधार है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय के वातावरण एवं विद्यार्जन की प्रक्रिया को अनवरत रूप से परिष्कृत करने के प्रयास किये जाते रहे हैं।

शिक्षा की प्रक्रिया के मूलतः तीन स्तम्भ हैं– विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक। शिक्षक एवं शिक्षार्थी के साथ सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में आपकी भूमिका अतिमहत्त्वपूर्ण है। सत्र 2020–21 से विद्यार्थियों के लिए बस्ते का बोझ कम करने की दिशा में एक नया कदम उठाया जा रहा है। इसके तहत् विभिन्न विषयों की पुस्तकों को त्रैमासिक आधार पर विभाजित किया गया है। इन पुस्तकों के शीर्षक कक्षानुसार भाग–1, भाग–2, भाग–3 होंगे एवं कक्षा 1 व 2 के तीन विषयों (हिंदी, गणित, अंग्रेजी) तथा कक्षा 3, 4, 5 के चार विषयों (हिंदी, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण) के अध्यायों को तीन भागों में विभाजित करते हुए प्रत्येक भाग को एक पुस्तक में लिया गया है। उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी को विद्यालय में प्रथम अध्याय पढ़ाया जा रहा है तो वह अन्तिम अध्याय तक की पठन सामग्री का बोझ नहीं उठाए एवं उसे अन्तिम अध्याय पढ़ाया जा रहा है तो प्रथम अध्याय की पठन सामग्री को विद्यालय में लेकर जाना आवश्यक नहीं है।

अतः आपसे अपेक्षा है कि पाठ्यपुस्तक में दिए गये सीखने के प्रतिफल के अनुसार आप विद्यार्थियों का निरन्तर मूल्यांकन करते हुए अध्ययन हेतु मार्गदर्शन प्रदान करेंगे तथा SMC/PTA की बैठक एवं बालसभा में अनिवार्यतः शामिल होंगे। शिक्षकों से विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति के संदर्भ में सार्थक चर्चा करते हुए विद्यार्थी की प्रगति को सुनिश्चित करने में सक्रिय सहभागिता का निर्वहन करेंगे।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभाकांक्षा के साथ...

अनुक्रमणिका

कक्षा–1 (भाग–3)

क्र.सं.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
	हिंदी	**1-24**
	हमने सीखा	3–8
14.	ऋ क्ष त्र ज्ञ	9–11
15.	ङ ञ ड़ ढ़	12–14
	इंदर राजा पाणी दो (केवल पढ़ने के लिए)	15–16
16.	शाकालाका बुम–बुम	17–20
	चिड़िया (केवल पढ़ने के लिए)	21
	खेल गतिविधि	22–23
	पहचानें एवं बताएँ	24
	English	**25-50**
	What we have learnt	27-30
Unit-9	One, two, three, four, five	31-35
Unit-10	Teddy Bear	36-43
	List of words	44-49
	Let's Play	50
	गणित	**51-66**
	हमने सीखा	53–58
14.	मेले की सजावट	59–62
15	खेलो और सीखो	63–65
	आओ गिनना सीखें	66

हिंदी
कक्षा–1
भाग–3
स
प
क
आ
अः

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

बच्चे–

- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना।
- सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।
- भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे–इन्ना, बिन्ना, तिन्ना।
- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर–प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अंतर करते हैं।
- चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते
- चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।
- संदर्भ की मदद से आस–पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे– टॉफी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।
- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे– 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में 'म' पर अँगुली रखो।
- हिन्दी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।
- लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षरआकृतियों, स्व–वर्तनी (इंनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व–नियंत्रित लेखन (कनवेंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।
- स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे– हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है।) लिखना।

©RSCERT Not to be Republished

हमने सीखा

- बातचीत, कविताएँ, जानकारी, कहानी चित्र पठन
- घ र च ल अ ब म न ज ख आ ा त इ ि क स ई ी ह ए वर्णों की पहचान वर्ण की सहायता से शब्द निर्माण
- चित्र के माध्यम से चर्चा व बातचीत
- चित्र एवं परिवेश के माध्यम से पक्षियों एवं पालतू जानवरों की पहचान
- फल, सब्जी एवं अन्य खाद्य पदार्थों की जानकारी
- रेखा–चित्र एवं बुनियादी मोड़ (जैसे–कागज से निर्मित आकृतियाँ) पर अभ्यास
- शरीर के अंग एवं स्वच्छता पर बात
- अंगूठे के निशान से नए चित्रों का सृजन
- चित्रों को देख कर कहानी निर्माण
- कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा
- दैनिक जीवन से संबंधित सामान्य वार्तालाप
- बातचीत के माध्यम से क्या, कौन, कब, कैसे वाले प्रश्न व प्रश्नों के उत्तर
- चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढना
- थ प ओ ो ग उ य ट ध ू ग उ य श ठ ड ढ श ठ ड भ ऐ पूर्व में ष अं सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान
- पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास
- औ, ौ की मात्रा
- सरल शब्दों का श्रुतलेख और सीखे गए मात्रा युक्त शब्दों को बिना देखे लिखना
- चित्रों व आकृतियों में रंग भरना

© RSCERT Not to be Republished

कार्यपत्रक

1. जो खाना चाहो उस पर गोला लगा कर नाम लिखो –

....

....

2. जिसे घर में रखना चाहो पहचान कर नाम लिखो–

....

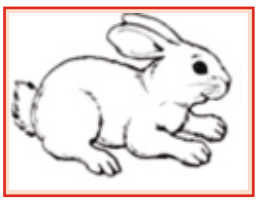

....

© RSCERT Not to be Republished

3. चित्रों को पहचान कर नाम पूरा करो–

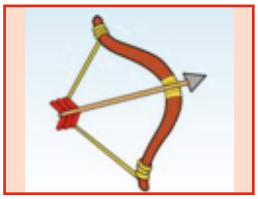

.....नु.....

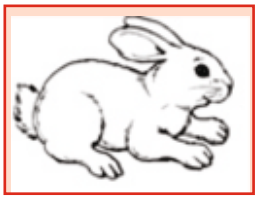

.....गो.....

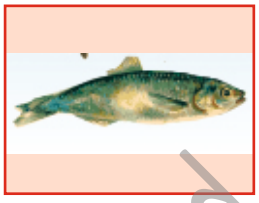

.....छ.....

.....ली

.....म.....

4. गोले में लिखे गए वर्ण एवं मात्रा को शब्दों में ढूँढ कर गोला बनाएं–

भीख	रोटी	तितली	पैदल	बैल	मैदान
मछली	ी	दादी	जैसा	ै	कैसा
राखी	पीली	सीख	थैला	पैसा	भैया

5. बड़े अक्षरों में सुलेख लिखो –

1. उल्लू ....
2. षट्कोण ....
3. यज्ञ ....
4. बादल ....
5. गुब्बारा ....

© RSCERT Not to be Republished

6. चित्र देख कर नाम पूरा करो–

			.....			
	.....	.....	ना			
		.....	र			
			.....	.....	ली	
	.....			.....	.....	थ
	ल	.....	.....	र		

7. चित्र पहचान कर वर्णों पर मात्रा लगाकर नाम पूरा करो –

चह.....

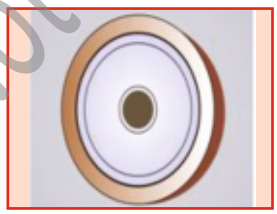

ढ प ल.....

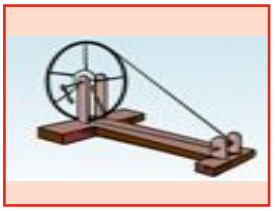

च र ख.....

ब ल.....

ग ल ब.....

© RSCERT Not to be Republished

8. दी गई आकृति में बिन्दु मिलाकर रंग भरो–

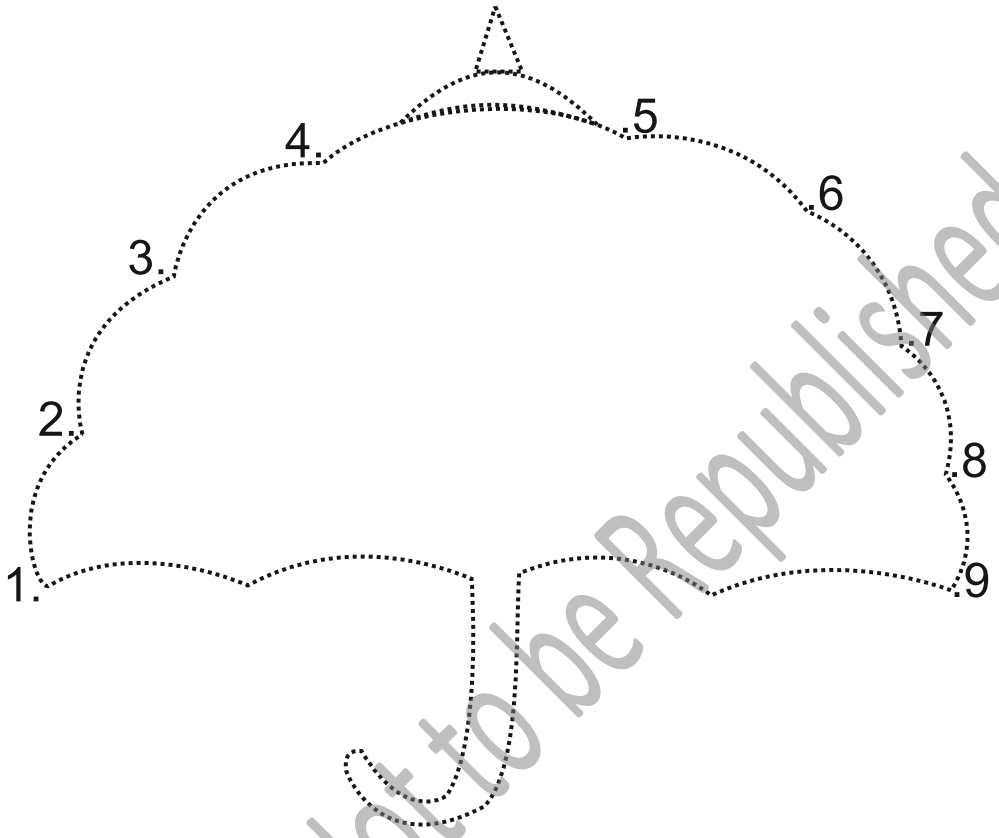

9. पाठ्यपुस्तक में आए कठिन शब्दों का श्रुतिलेख करवाएं –

(1) लड़का (2) सयानी (3) मम्मी (4) नाक

(5) खाना (5) तितली (6) तरबूज (7) चढ़ाई

(8) रसीली (9) ताई (10) नानी (11) पपीता

(12) हवेली (13) पोखर (14) सुमन

© RSCERT Not to be Republished

10. घेरे में लिखे वर्ण, मात्रा को पहचान कर बाहर लिखे शब्दों में ढूँढ कर मिलाए–

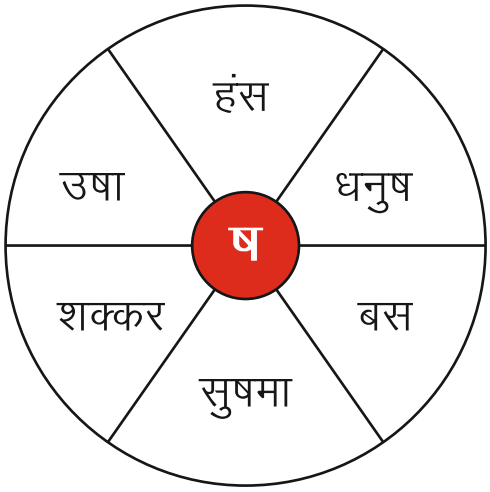

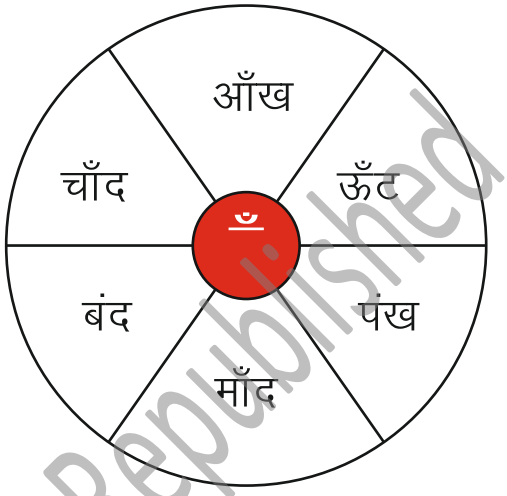

11. निम्न पंक्तियों को पूरा करो –

1. मेरा नाम ..... है।
2. मैं गाँव ..... में रहता हूँ।
3. मैं कक्षा 1 में ..... हूँ।
4. मेरे पिताजी का नाम ..... है।
5. मेरी माताजी का नाम ..... है।

12. अपने पसंद की एक कविता / कहानी सुनाओ।

© RSCERT Not to be Republished

14

ऋ क्ष त्र ज्ञ

ऋषि ऋ

ऋषि हमेशा ज्ञान बताते।
सच की राह पर कदम बढ़ाते।।

क्षत्रिय क्ष

क्षत्रिय युद्ध में जाते हैं।
दुश्मन को मार भगाते हैं।।

त्रिशूल त्र

त्रिशूल होता बड़ा भयंकर।
धारण करते हैं शिव शंकर।।

ज्ञानी ज्ञ

ज्ञानी देते सबको ज्ञान।
इनका करते सब सम्मान।।

निर्देश :– दिए गए चित्रों पर बातचीत करें । चित्र के नीचे संदर्भ पंक्तियाँ लिखी हैं। पंक्तियाँ पढ़कर कुंजी शब्द का उच्चारण करवाएँ। कुंजी शब्द के आधार पर कुंजी वर्ण की पहचान करवाएँ। कुंजी वर्ण से नए शब्द बनाकर उच्चारण करवाएँ। वर्ण शिक्षण के चरणानुसार आगे बढ़ें।

© RSCERT Not to be Republished

सुनें और बोलें

ऋ	क्ष	त्र	त्रा	ज्ञ
क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षे
त्र	त्रि	त्रू	त्रे	त्रै

पढ़ें और बोलें

क्षमा	पक्ष	कक्षा	क्षत्रिय
पत्र	मिल	नेत्र	त्रिभुज
ऋण	ऋतु	ऋजु	ऋचा
ज्ञान	यज्ञ	ज्ञात	विज्ञान

लिखें

त्र	ऋ	ऋ	ऋ	ऋ	ऋ
त्र	त्र	त्र	त्र	त्र	त्र
क्ष	क्ष	क्ष	क्ष	क्ष	क्ष
ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ

© RSCERT Not to be Republished

लिखें

एक ऋषि गाँव में आए।

.....

उनके हाथ में त्रिशूल था।

.....

वे चौपाल पर बैठे।

.....

ज्ञान की बातें बताई।

.....

पशु पक्षियों व वनों की रक्षा करने के लिए कहा।

.....

पेंसिल घुमाएँ और रंग भरें

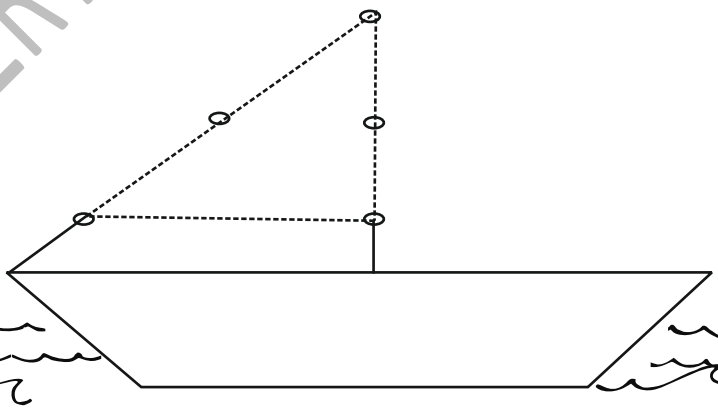

© RSCERT Not to be Republished

15

ङ ञ ड़ ढ़ अः

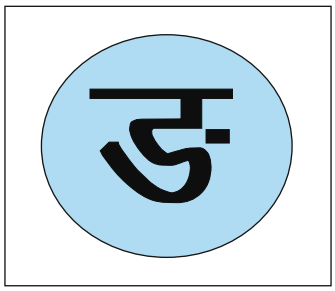

ङ

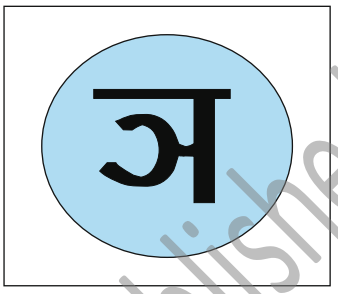

ञ

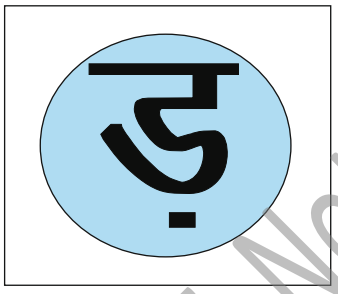

ड़

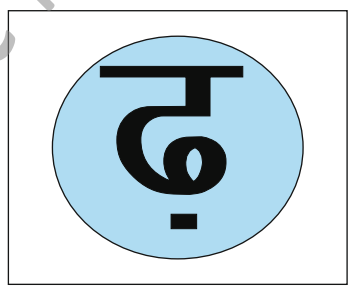

ढ़

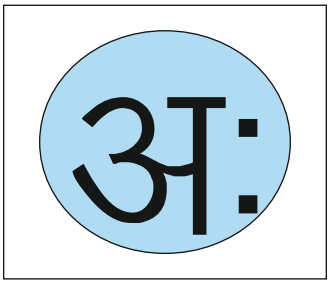

अः

निर्देश :– शिक्षक/शिक्षिका इन पाँचों वर्णों की पहचान अपने स्तर पर अलग से करवाएँ।

© RSCERT Not to be Republished

चित्रों को उनके नाम से मिलाएँ

जहाज

बतख

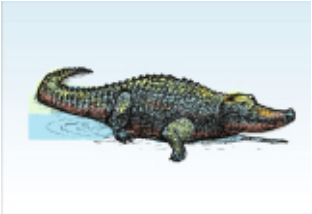

घर

नल

रथ

मगर

© RSCERT Not to be Republished

अब तक सीखा हुआ

स्वर –

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

मात्राएँ –

ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ ॅ

व्यंजन –

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण ड़ ढ़

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

संयुक्त अक्षर –

क्ष त्र ज्ञ श्र

© RSCERT Not to be Republished

केवल पढ़ने के लिए

इंदर राजा पाणी दो

इंदर राजा पाणी दो।
पाणी दो, गुड़–धाणी दो।।

उमड़–घुमड़ ने आओ सा।।
बादल काळा लाओ सा।।
धनुष गगन में ताणी दो।
इंदर राजा पाणी दो।।

बाँध नहर में पाणी दो।
गाँव शहर में पाणी दो।
हर बस्ती, हर ढाणी दो।
इंदर राजा पाणी दो।।

© RSCERT Not to be republished

निर्देश :– हाव–भाव से कविता गाएँ और बच्चों से दोहरान कराएँ। कविता में आए स्थानीय शब्दों का अर्थ भी बच्चों को समझाएँ।

केर, सांगरी, खीरा दो।
बाजर, ज्वार, मतीरा दो।।
मुख पर मीठी वाणी दो
इंदर राजा पाणी दो।।
सैलाँ पर्वत घाट्याँ की।।
गोठ चूरमा बाट्याँ की।।
एक बार चक छाणी दो।
इंदर राजा पाणी दो।।

© RSCERT Not to be Republished

16 शाकालाका बुम–बुम

Z6XVJ4

एक लड़की थी। उसका नाम मरियम था। एक दिन वह अपनी गली में खेल रही थी।

खेलते–खेलते उसे एक चमकीली पेंसिल दिखी। मरियम झट उस पेंसिल को उठाकर घर ले गई।

घर जाते ही मरियम ने उसी चमकीली पेंसिल से छाते का चित्र बनाया। चित्र पूरा होते ही उसमें से आवाज आई–

''शाकालाका बुम–बुम''।

मरियम सोचने लगी कि यह आवाज कहाँ से आई ?

इतने में ही चित्र असली छाता बन गया। मरियम को पता चला कि यह जादुई पेंसिल है।

निर्देश :– बच्चों से बातचीत करें, जैसे–यदि तुमको जादुई पेंसिल मिल जाए तो कौन–कौन से चित्र बनाना चाहोगे /चाहोगी ? यदि तुम्हारे सामने परी आ जाए तो तुम क्या–क्या बातें करोगे /करोगी ?

© RSCERT Not to be Republished

आप भी अपनी पेंसिल से यहाँ छाते का चित्र बनाएँ और रंग भरें।

क्या इस छाते में से भी ''शाकालाका बुम–बुम'' की आवाज आई ?
आपस में पूछें और लिखें।

.....

.....

'' एक दिन वह अपनी गली में खेल रही थी। '' बताइए, मरियम कौनसा खेल खेल रही होगी ?

.....

.....

आप क्या–क्या खेल खेलते हो ? लिखें।

.....

.....

©RSCERT Not to be Republished

पेंसिल घुमाएँ और रंग भरें

© RSCERT Not to be Republished

चित्रों को उनके नाम से मिलाएँ

झोपड़ी

तोता

गिलास

सूरज

नारियल

बादल

© RCERT Not to be Republished

केवल पढ़ने के लिए

चिड़िया

फुदक–फुदक कर आती चिड़िया,
दाने चुग कर खाती चिड़िया।
कहाँ–कहाँ से चुनती तिनकें,
सुंदर नीड़ बनाती चिड़िया।
गर्मी सर्दी और वर्षा से,
बच्चों को सदा बचाती चिड़िया।
दूर–दूर से दाना लाकर,
बच्चों को खिलाती चिड़िया।
जूझ सदा झंझावातों से,
श्रम की अलख जगाती चिड़िया
नहीं कभी भी हार मानती,
रहती हरदम गाती चिड़िया।

© RSCERT Not to be Republished

खेल गतिविधि

(बच्चों को घेरे में बिठाकर या खड़े करके खेल गतिविधि करवाएँ)

बोलो– चिड़िया किसने देखी?

हम सबने, हम सबने

कहाँ पर देखी, कहाँ पर देखी?

..... कुछ बच्चों से पूछे। बच्चे बताएंगे–घर में, घोसले में, खेत में, पेड़ पर आदि–आदि।)

© RSCERT Not to be Republished

बोलो– भालू किसने देखा

हम सबने, हम सबने

कहाँ पर देखा, कहाँ पर देखा?

..... (बच्चों से पूछने पर वे कहेंगे– जंगल में, जन्तुआलय में या टी.वी. पर आदि।)

© RSCERT Not to be republished

निर्देश:–

ऐसे ही शेर, गिलहरी, कौआ, बुलबुल, कठफोडवा, नीलकंठ, हाथी, ऊँट, बैल, लोमड़ी आदि के बारे में भी लयबद्ध रूप से उच्चारण करवा कर पूछें और सही बताने पर बच्चों की सराहना करें। फिर दुर्लभ जिराफ, चिंपाजी, दरियाई घोड़ा जैसे जीव जंतुओं की जानकारी भी दी जा सकती है।

पहचानें एवं बताएँ

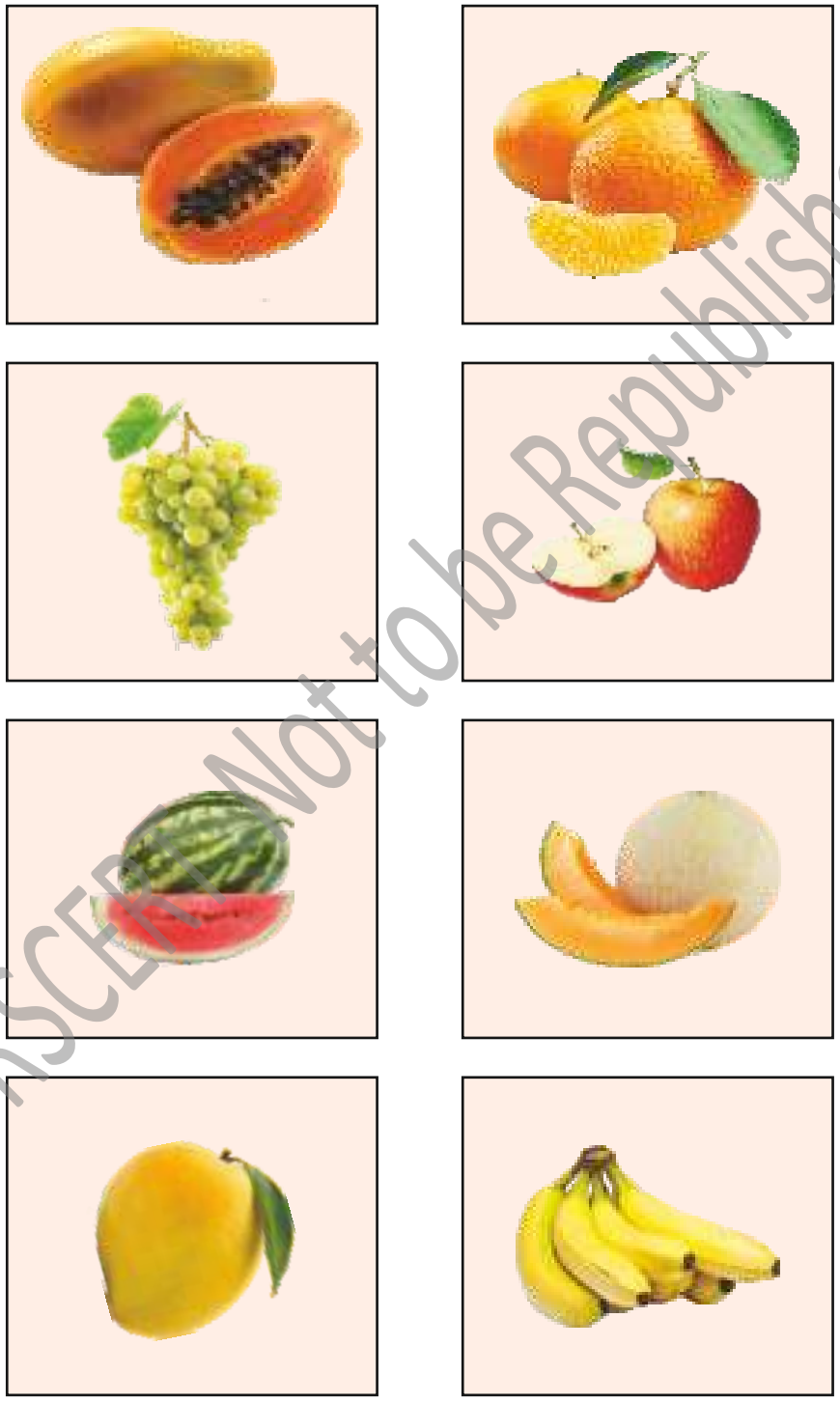

© RSCERT Not to be Republished

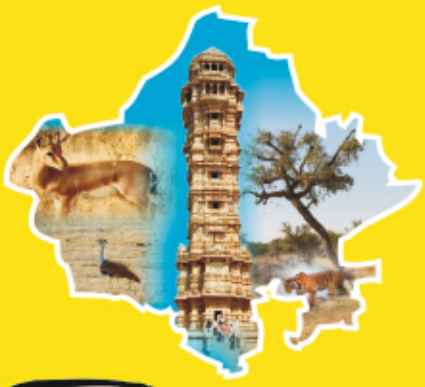

Let's Learn English

Class-I

Part-III

© RSCERT Not to be Republished

Learning Outcomes

The learner–

associates words with pictures

- Names familiar objects seen in the pictures
- recognises letters and their sounds A—Z
- differentiates between small and capital letters in print or Braille
- recites poems/rhymes with actions
- draws, scribbles in response to poems and stories
- responds orally (in any language including sign language) to comprehension questions related to stories/poems
- identifies characters and sequence of a story and asks questions about the story
- carries out simple instructions such as 'Shut the door', 'Bring me the book', and such others
- listens to English words, greetings, polite forms of expression, simple sentences, and responds in English or the home language or 'signing' (using sign language)
- listens to instructions and draws a picture
- talks about self /situations/ pictures in English
- uses nouns such as 'boy', 'sun', and prepositions like 'in', 'on', 'under',etc.
- produces words with common blends like “br” “fr” like 'brother', frog' etc.
- writes simple words like fan, hen, rat etc.

© RSCERT Not to be Republished

What we have learnt

- to tell a story on a given picture in mother tongue.
- to understand and follow simple instructions. (Let's write, stand up, Let's sing etc)
- to recite rhymes with teacher.
- to familiarize with and speak the names of commonly known objects (means of transportation, stationery, birds, flowers, professions, outdoor games, public places, various body parts, animals, things of daily use a pen, a pencil, a rubber, etc.)
- to recognize small and capital letter. (a b c d / A B C D)
- to write small and capital letter using correct strokes. (a b c d / A B C D)
- to be able to read and enjoy pictures, words and letter with the help of teacher to pronounce words correctly.
- to recognize the small and capital letter.
- to look at a picture and write first letter for the given picture.
- to recognize the familiar objects such as moon, nose, onion, peacock, etc.
- to speak simple sentences like- I am sorry, may I come in ?

© RSCERT Not to be Republished

EXERCISE

1. listen to and tick :-

Well	**Uniform**	**Tomato**	**Van**
		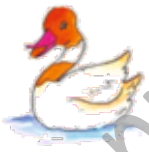	
Key	**Pen**	**Duck**	**School**
Sun	**Rose**	**Glass**	**Jocker**

2. Write missing capital letters in the blanks :-

_	B	_	_	_
F	_	_	_	J
_	L	_	_	O
_	_	_	_	T
_	V	_	X	_

© RSCERT Not to be Republished

3. Write small letters of English alphabet :-

_ _ _ _ _

_ _ _ _ _

_ _ _ _ _

_ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _

4. Circle letters as instructed :-

Circle d	**Circle b**	**Circle k**
deer	comb	ink
needle	boy	monkey
spider	elbow	kettle
Circle y	**Circle j**	**Circle n**
sky	jeep	mango
yogi	brinjal	lion
koyal	joker	nose

5. Write initial letter of the following words :-

	.....ebra
	.....EBRA

© RSCERT Not to be Republished

	.....rog
	.....ROG
	.....ion
	.....ION
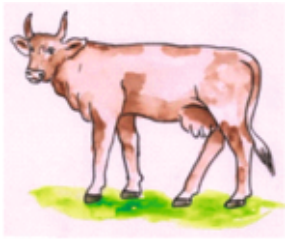	.....ow
	.....OW
	.....en
	.....EN
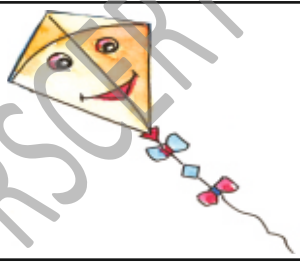	.....ite
	.....ITE
	.....ueen
	.....UEEN

©RSCERT Not to be Republished

UNIT 9

One, two, three, four, five

25JTLU

Let's sing.

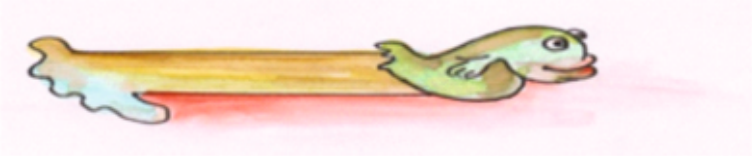

One, two, three, four, five,
Once I caught a fish alive.
Six, seven, eight, nine, ten,
Then I let it go again.
Why did you let it go?
Because it bit my finger so.
Which finger did it bite?
The little finger on my right.

© RSCERT Not to be Republished

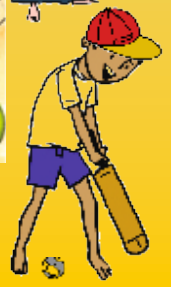

Let's count.

Numbers - One to Five

	1	One
	2	Two
	3	Three
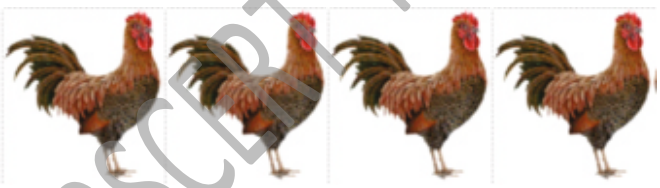	4	Four
	5	Five

Tip: Motivate the students to count and speak the numbers.

© RSCERT Not to be Republished

Numbers - Six to Ten

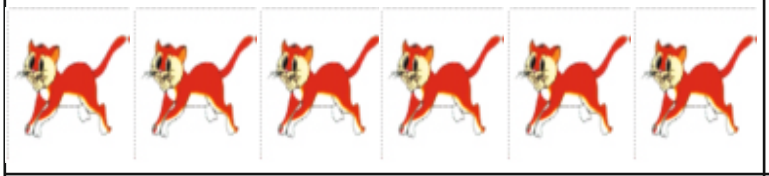	6	Six
	7	Seven
	8	Eight
	9	Nine
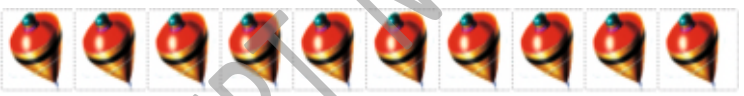	10	Ten

Tip: Motivate the students to count and speak the numbers.

One, two, buckle my shoe

One, two, buckle my shoe.
Three, four, shut the door.
Five, six, pick up the sticks.
Seven, eight, lay them straight.
Nine, ten, a big fat hen.

© RSCERT Not to be Republished

Let's know about some animals.

a deer

a donkey

a horse

a cow

a dog

a tiger

a lion

a camel

an elephant

a monkey

a sheep

a goat

Let's know about some birds.

a parrot

a crow

a peacock

a sparrow

a duck

an eagle

a pigeon

an owl

a woodpecker

© RSCERT Not to be Republished

Let's know about some insects.

a fly

a spider

an ant

a butterfly

a honey bee

a mosquito

Encircle the birds only.

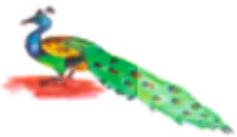		

© RSCERT Not to be Republished

UNIT 10

Teddy Bear

2EHGYN

Let's sing.

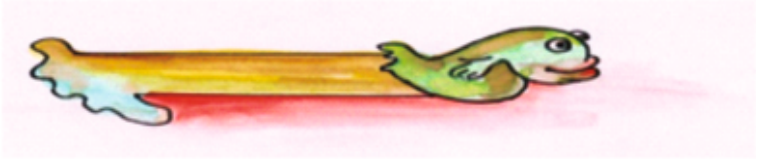

Teddy bear, Teddy bear,
Turn around.
Teddy bear, Teddy bear,
Touch the ground.
Teddy bear, Teddy bear,
Polish your shoes.
Teddy bear, Teddy bear,
Go to school.

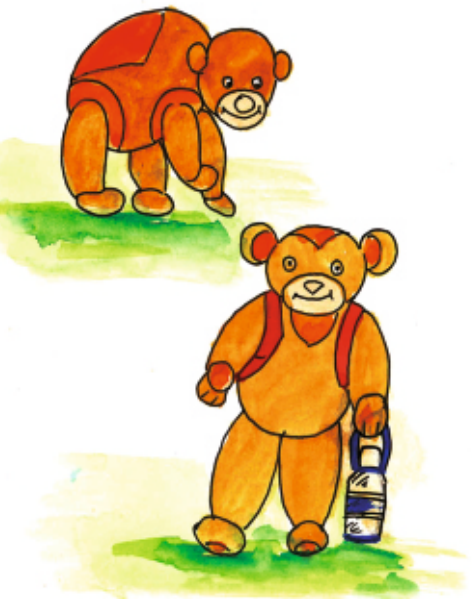

© RSCERT Not to be Republished

Activity No. 1

The teacher will readout this story and students will answer the questions orally-

Once a bear named Bholu fell ill. He remained in his den for two days. Other animals noticed it. They asked everyone about Bholu. They went to see him and advised him to consult a doctor.

Bholu went to doctor Molu, who was a fox. Dr. Molu checked Bholu up and advised him to take a mango as a medicine.

Sanky, the monkey was very sad because his friend Bholu was ill and there was no one to play with him. So, he went to a garden and brought a sweet mango for Bholu. He ate the mango and became healthy. He thanked his friend Sanky.

1. Who was Bholu?

2. Why did Bholu go to a doctor?

© NCERT Not to be Republished

3. What medicine did Dr. Molu advise Bholu?

4. Why did Sanky help Bholu?

5. Arrange these events in the proper sequence

a. Bholu ate the sweet mango.

b. Bholu went to a doctor.

c. Bholu, the bear fell ill.

d. Sanky brought a sweet mango for Bholu.

e. Bholu became healthy again.

Activity No. 2

The teacher will dictate these words and ask the students to write in their notebooks-

cat, fox, sun, dog, cow,
bat, owl, ear, goat, fly

© NCERT Not to be Republished

Let's listen to, see and do.

clap

jump

laugh

run

catch

pat

stamp feet

pull

push

sit down

stand up

dance

© NCERT Not to be Republished

Let's know about some fruits.

apple	banana	peach
mango	orange	dates
custard apple	papaya	pine apple

Let's know about some vegetables.

radishes	carrots	brinjal
chillies	pumpkin	cauliflower
potatoes	lady's finger	cucumber

© RSCERT Not to be Republished

Encircle the fruits only.

Let's know about some parts of body.

eye	nose	ear
knee	feet	thumb
fingers	elbow	chin

I have a little nose

I have a little nose,
I have a little chin,
And I have a little mouth,
Just to put my dinner in.

© RSCERT Not to be Republished

Let's learn.

Days of the week

Sunday	रविवार
Monday	सोमवार
Tuesday	मंगलवार
Wednesday	बुधवार
Thursday	गुरूवार
Friday	शुक्रवार
Saturday	शनिवार

© RSCERT Not to be Republished

Days of the week

Days of the week.
There is Sunday and there is Monday.
There is Tuesday and there is Wednesday.
There is Thursday and there is Friday.
And there is Saturday.
Days of the week.
Days of the week.

Answer the following questions orally.

Question : What is this?
Answer : an eagle.

Question : What is this?
Answer : a duck.

Question : What is this?
Answer : a camel.

Question : What is this?
Answer : a donkey.

© RSCERT Not to be Republished

List of words

1.	a
2.	an
3.	ant
4.	apple
5.	arrow
6.	axe
7.	bag
8.	ball
9.	banana
10.	bat
11.	boy
12.	brinjal
13.	bulb
14.	butterfly
15.	camel
16.	carrot
17.	cat
18.	catch
19.	cauliflower
20.	chilli
21.	chin
22.	clap
23.	conductor
24.	cooler
25.	cow
26.	crow
27.	cucumber
28.	custard apple

©NCERT Not to be Republished

List of words

29.	dance
30.	dates
31.	deer
32.	doctor
33.	dog
34.	donkey
35.	door
36.	driver
37.	duck
38.	eagle
39.	ear
40.	elbow
41.	elephant
42.	eye
43.	fish
44.	flag
45.	fly
46.	foot
47.	fridge (refrigerator)
48.	Friday
49.	frog
50.	gas cylinder
51.	girl
52.	glass
53.	goat
54.	grapes
55.	hat
56.	hen

©NCERT Not to be Republished

List of words

57.	horse
58.	hut
59.	igloo
60.	India
61.	ink-pot
62.	inn
63.	jacket
64.	jeep
65.	joker
66.	jug
67.	jump
68.	kettle
69.	key
70.	king
71.	kite
72.	knee
73.	lady's finger
74.	lamp
75.	laugh
76.	lion
77.	lizard
78.	lock
79.	mango
80.	mixer
81.	mobile
82.	Monday
83	monkey
84.	moon

© NCERT Not to be Republished

List of words

85.	mouse
86.	nail
87.	necklace
88.	nose
89.	nurse
90.	office
91.	onion
92.	orange
93	ox
94.	papaya
95.	parrot
96.	pat
97.	peacock
98.	pen
99.	pencil
100.	pigeon
101.	pen
102.	peach
103.	police
104.	potato
105.	pull
106.	pumpkin
107.	push
108.	queen
109.	quill
110.	rabbit
111.	radish
112.	ring

© NCERT Not to be Republished

List of words

113.	rose
114.	run
115.	Saturday
116.	scooter
117.	sit down
118.	sparrow
119.	spider
120.	squirrel
121.	stamp feet
122.	stand up
123.	sun
124.	Sunday
125.	table
126.	teacher
127.	thumb
128.	Thursday
129.	tiger
130.	tomato
131.	toothbrush
132.	tree
133.	tubelight
134.	Tuesday
135.	umbrella
136.	uniform
137.	unity
138.	van
139.	vest
140.	violin
141.	vulture

© NCERT Not to be Republished

List of words

142.	watch
143.	Wednesday
144.	well
145.	window
146.	woman
147.	woodpecker
148.	x-ray
149.	xmas tree
150.	yogi
151.	yacht
152.	zebra
153.	zero
154.	zip
155.	zoo

© RSCERT Not to be Republished

Let's Play

Let's Play :

Help this monkey find the way to the bananas.

Colour the picture.

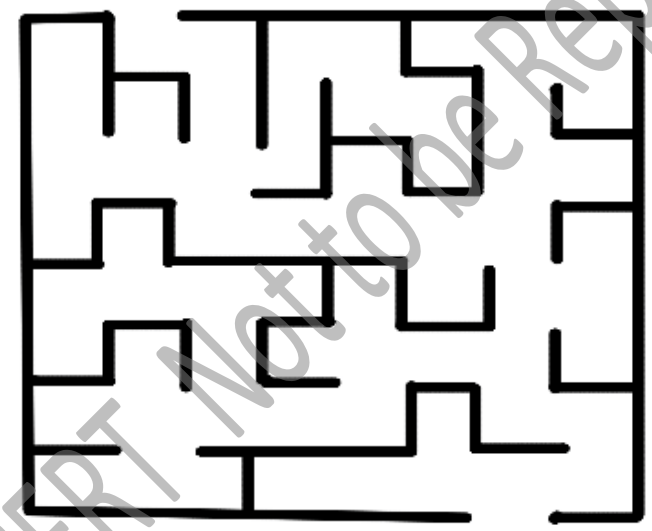

© RSCERT Not to be Republished

आओ गणित सीखें

कक्षा – 1

भाग–3

© RSCERT Not to be Republished

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

बच्चे –

- विभिन्न वस्तुओं को भौतिक विशेषताओं, जैसे – आकृति, आकार तथा अन्य अवलोकनीय गुणों, जैसे – लुढ़कना, खिसकना के आधार पर समूहों में वर्गीकृत करते हैं।
- 1 से 20 तक की संख्याओं पर कार्य करते हैं।
  - 1 से 9 तक की संख्याओं का उपयोग करते हुए वस्तुओं को गिनते हैं।
  - 20 तक की संख्याओं को मूर्त रूप से, चित्रों और प्रतीकों द्वारा बोलकर गिनते हैं।
  - 20 तक संख्याओं की तुलना करते हैं, जैसे – यह बता पाते हैं कि कक्षा में लड़कियों की संख्या या लड़कों की संख्या ज्यादा है।
- दैनिक जीवन में 1 से 20 तक संख्याओं का उपयोग जोड (योग) व घटाने में करते हैं।
  - मूर्त वस्तुओं की मदद से 9 तक की संख्याओं के जोड़ तथ्य बनाते हैं। उदाहरण के लिए 3 निकालने के लिए 3 के आगे 3 गिनकर यह निष्कर्ष निकालते हैं कि 3+3=6
  - 1 से 9 तक संख्याओं का प्रयोग करते हुए घटाने की क्रिया करते हैं, जैसे – 9 वस्तुओं के एक समूह में से 3 वस्तुएँ निकालकर शेष वस्तुओं को गिनते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं कि 9–3 = 6
  - 9 तक की संख्याओं का प्रयोग करते हुए दिन प्रतिदिन में उपयोग होने वाले जोड़ तथा घटाव के प्रश्नों को हल करते हैं।
- 99 तक की संख्याओं को पहचानते हैं एवं संख्याओं को लिखते विभिन्न वस्तुओं/आकृतियों के भौतिक गुणों का अपनी भाषा में वर्णन करते हैं, जैसे–एक गेंद लुढ़कती है, एक बाक्स खिसकता है, आदि।
- छोटी लंबाइयों का अनुमान लगाते हैं, अमानक इकाइयों, जैसे – उँगली, बित्ता, भुजा, कदम आदि की सहायता से मापते हैं।
- आकृतियों तथा संख्याओं के पैटर्न का अवलोकन, विस्तार तथा निर्माण करते हैं। उदाहरण के लिए –आकृतियों/वस्तुओं/संख्याओं की व्यवस्था, जैसे –
  -
  - 1, 2, 3, 4, 5, ...
  - 1, 3, 5, ...
  - 2, 4, 6, ...
  - 1, 2, 3, 1, 2, ..., 1, ... , 3, ...
- आकृतियों/संख्याओं का प्रयोग करते हुए किसी चित्र के संबंध में सामान्य सूचनाओं का संकलन करते हैं, लिखते हैं तथा उनका अर्थ बताते हैं। (जैसे किसी बाग के चित्र को देखकर विद्यार्थी विभिन्न फूलों को देखते हुए यह नतीजा निकालते हैं कि एक विशेष रंग के पुष्प अधिक हैं।)
- शून्य की अवधारणा को समझते हैं।

© NCERT Not to be Republished

हमने सीखा

1. स्थानीय शब्दों जैसे छोटा–बड़ा, अन्दर–बाहर, ऊपर–नीचे, पास दूर पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
2. लुढ़कने व खिसकने वाली वस्तुओं को पहचानना।
3. एक से एक की सगंति कर गिनना।
4. वस्तुओं को क्रम में रखकर गिनना।
5. 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचानना, पढ़ना व लिखना।
6. 20 तक की संख्याओं में छोटी–बड़ी पहचानना, जोड़ना व घटाना।
7. 10–10 के बण्डल से दहाई को समझना।
8. एक अंक की संख्याओं को जोड़ना एवं घटाना।
9. 99 तक की संख्याओं में एक अंक की संख्या को जोड़ना।
10. वस्तुओं की कीमतों में तुलना करना व 20 रुपये तक का लेन देन कर सकना।
11. दिनचर्या द्वारा समय को समझना।
12. वस्तुओं को एकत्रित कर, वर्गीकृत कर पाना

© RSCERT Not to be Republished

कार्यपत्रक

जोड़िए एवं घटाईए–

(I)

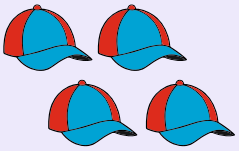

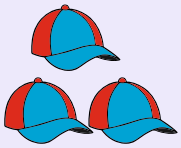

☐ + ☐ = ☐

(ii)

☐ + ☐ = ☐

(iii)

☐ - ☐ = ☐

(iv)

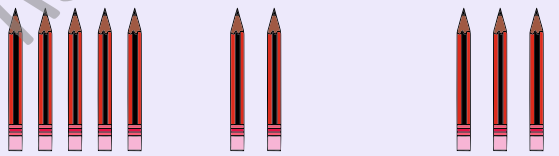

☐ - ☐ = ☐

© RSCERT Not to be Republished

2. खाली स्थानों में सही संख्या लिखिए–

3		5	
16			19
12		14	

	10		12
		19	20
10			13

3. दी गई संख्याओं में से सबसे छोटी संख्या पर घेरा (○) बनाइए–

19, 20, 18 , 11	13, 9, 14, 18

4. दी गई संख्याओं में से सबसे बड़ी संख्या पर घेरा (○) बनाइए–

17, 14, 19, 13	16, 18, 10, 11

5. खाली गोलों में आने वाली संख्याओं को लिखिए–

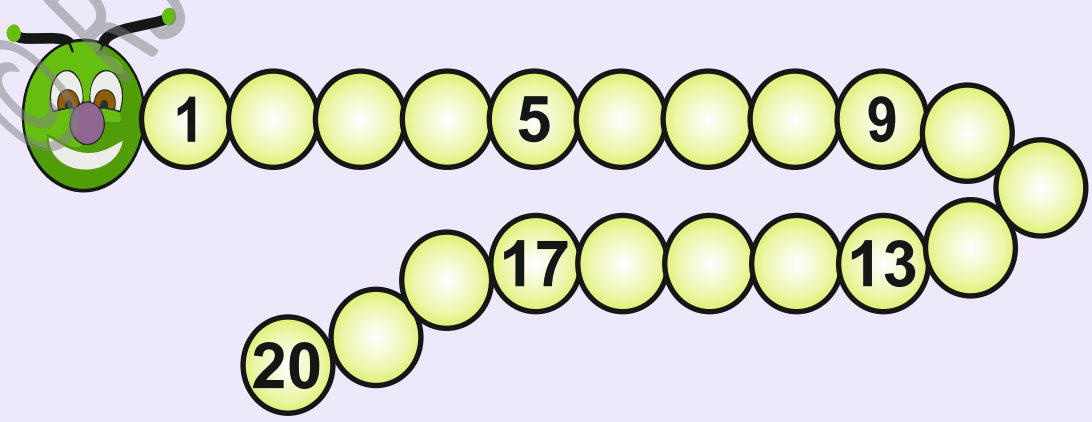

©RSCERT Not to be Republished

6. जोड़ कर बताइए–

11	+	4	=	
20	+	6	=	
56	+	7	=	
33	+	9	=	
82	+	8	=	

7. बंडल बना कर संख्या लिखिए–

बंडल	तीलियों की संख्या	संख्या
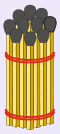 1 बंडल	= 10 तीली	=
1 बंडल	+ 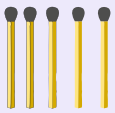 5 तीली	=
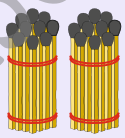 2 बंडल	+ 3 तीली	=
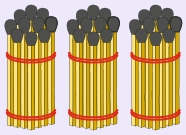 30 तीली	+ 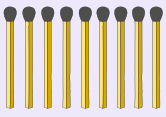 9 तीली	=

© RSCERT Not to be Republished

8. मिलान कीजिए –

11	तियालीस
94	सैंतीस
65	चौरानवें
43	ग्यारह
37	पैंसठ

9. चित्रों में दी गई कीमत के आधार उत्तर दीजिए–

1 रुपया

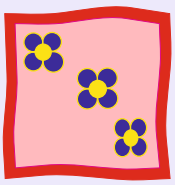

8 रुपये

12 रुपये

10 रुपये

5 रुपये

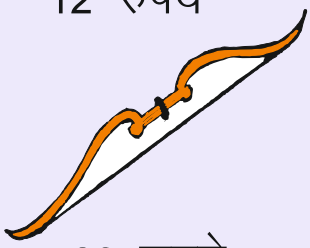

20 रुपये

(I) जतिन के पास 20 रुपये है वह–

(1) वह कितने धनुष खरीद सकता है ? .....

(2) वह कितनी नावें खरीद सकता है ? .....

(3) वह कितने झंडे खरीद सकता है ? .....

(II) एक नाव और एक रुमाल खरीदने के लिए कितने रुपये चाहिए ?

(III) सबसे सस्ती व सबसे मंहगी चीज कौनसी हैं ?

© RSCERT Not to be Republished

गतिविधि

बच्चों ने अपनी पसंद के खेल के चित्रानुसार समूह बना लिए।

चित्र देखकर बताओ

कितने बच्चे रिंग खेलना चाहते हैं ? ☐

कितने बच्चे गेंद खेलना चाहते हैं ? ☐

कितने बच्चे सतोलिया खेलना चाहते हैं ? ☐

किस खेल में सबसे अधिक बच्चे हैं ? ☐

© RSCERT Not to be Republished

अध्याय
14

मेले की सजावट

2YB4G9

2YJZHW

गाँव में मेला चल रहा था। बच्चे अपने माता–पिता के साथ मेले में गए।

रानी और उसकी सहेलियों ने एक दुकान से इस प्रकार की लड़ियाँ खरीदीं।

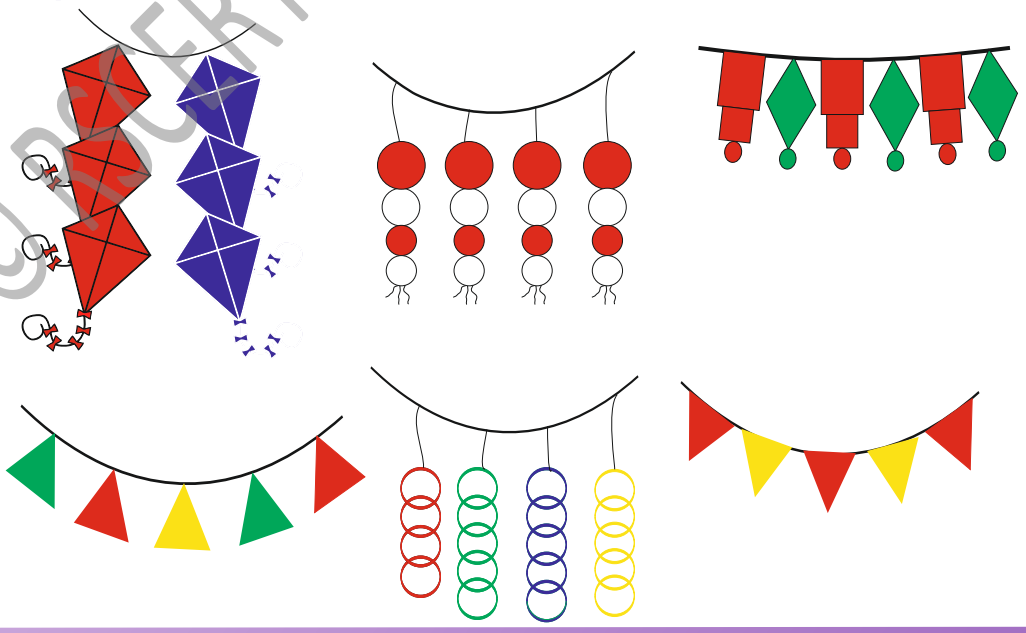

© NCERT not to be republished

चलो, हम भी इस तरह की लड़ियाँ बनाते हैं।

रानी और उसकी सहेलियों ने लड़ियों के कुछ चित्र बनाए। आओ इनमें रंग भरते है।

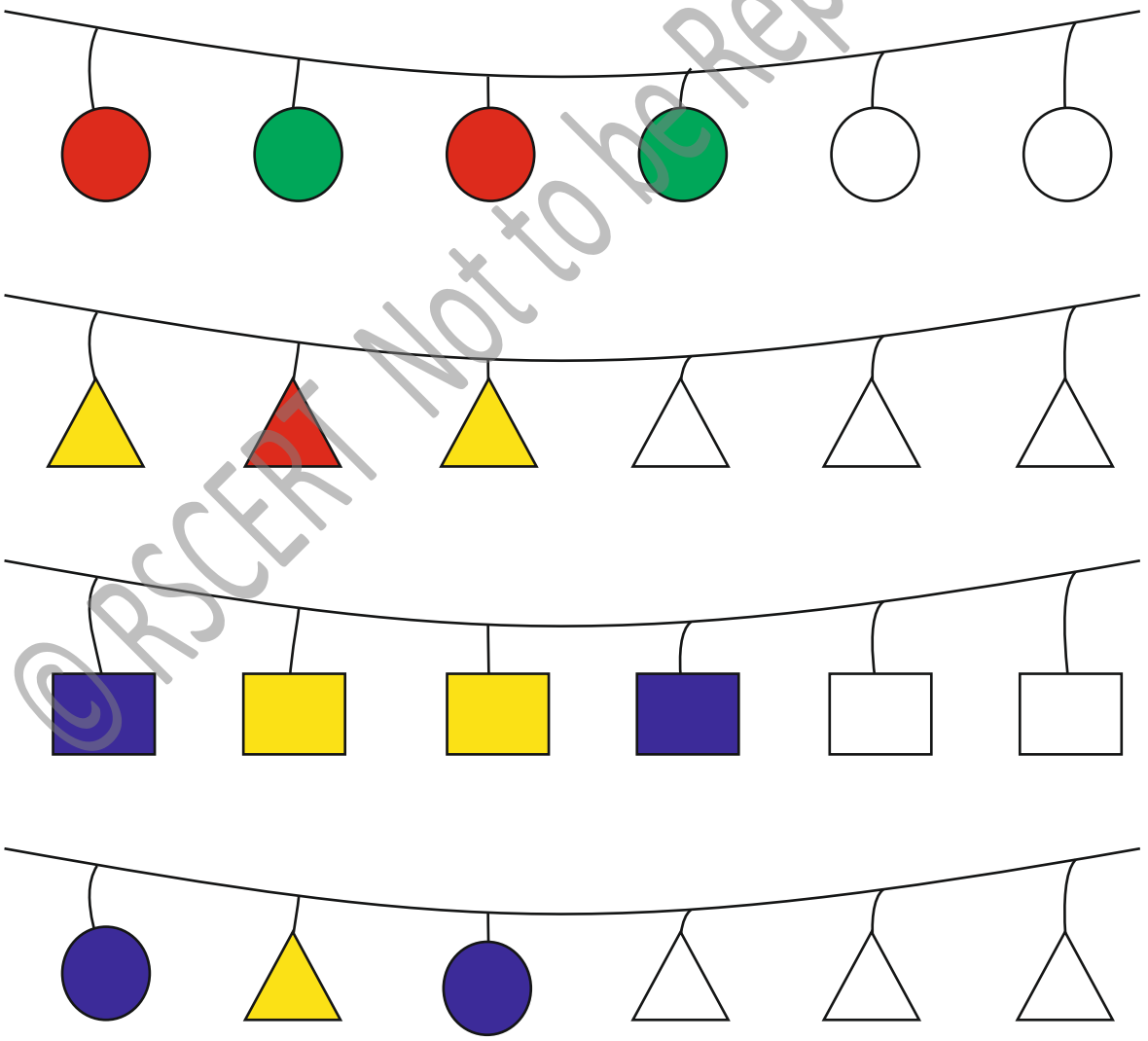

©RSCERT Not to be Republished

अभ्यास 14

1. नीचे आकृतियां कुछ विशेष पैटर्न से बनाई गई हैं। उसी पैटर्न से आप भी आकृतियां बनाइए।

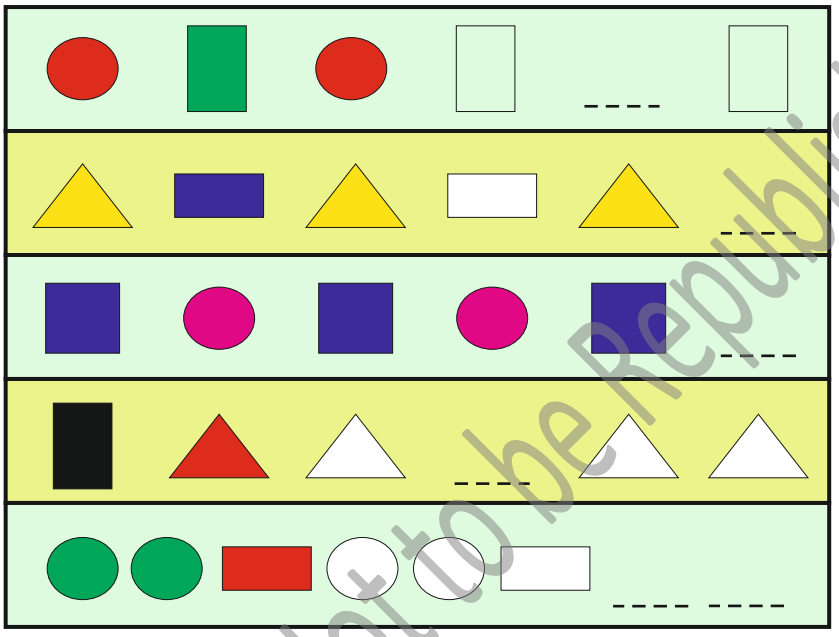

2. नीचे दिए गए खाली स्थानों में पीला रंग भरिए। पैटर्न देखिए।

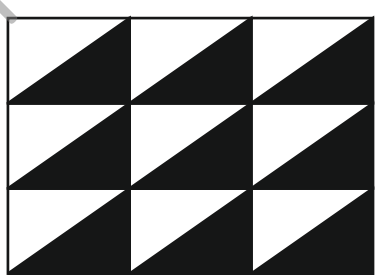

3. पैटर्न पूरा कीजिए ।

(1) 1, 2, 3 ☐ 5 ☐ 7 ☐

(2) 2 ☐ 6 ☐

© RSCERT Not to be Republished

4. पैटर्न पूरा कीजिए और रंग भरिए।

2YTVJJ

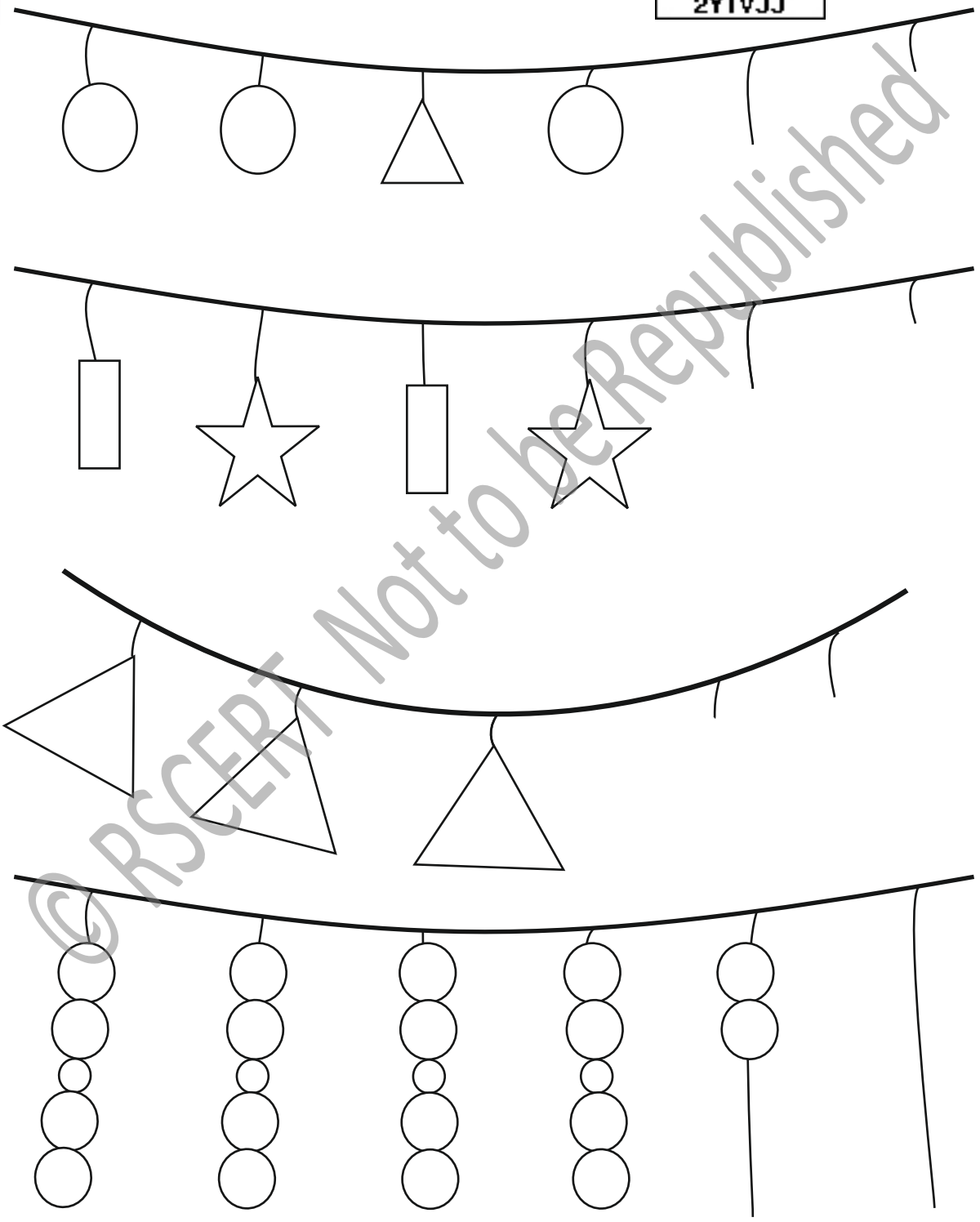

© RSCERT Not to be Republished

अध्याय 15

खेलो और सीखो

2Z3RL7

2ZCMMU

अपने दोस्तों के साथ साँप सीढ़ी का खेल खेलिए।

41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

© RSCERT Not to be Republished

सही क्रम में बिन्दु मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और रंग भरिए।

(1)

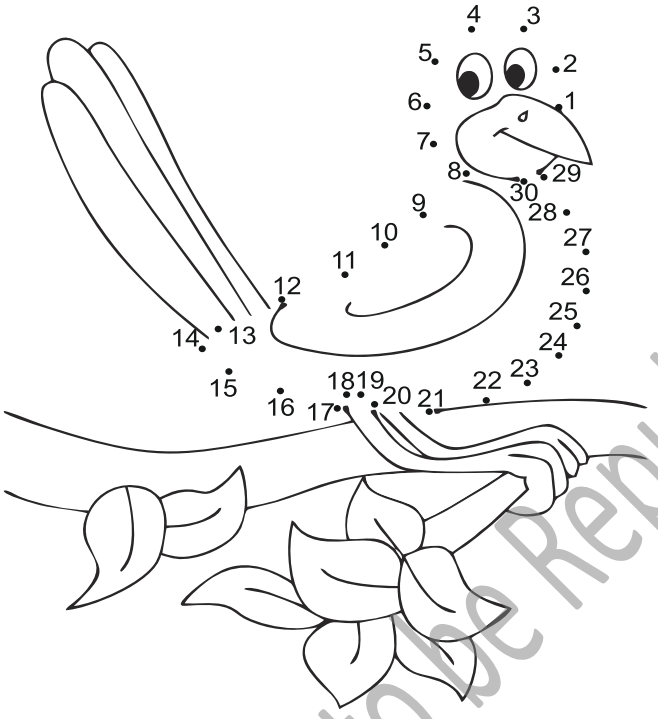

(2)

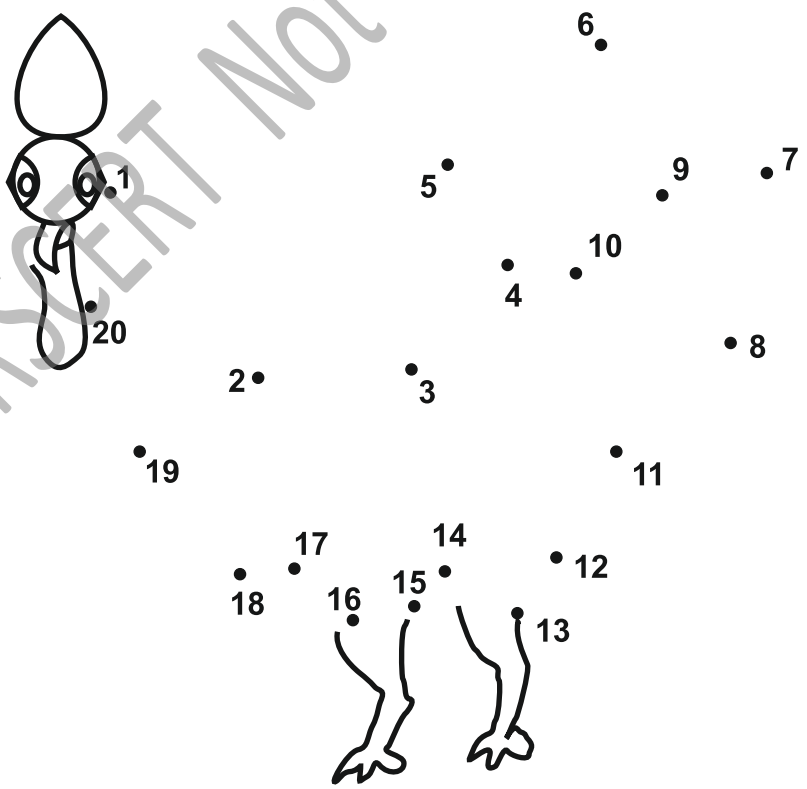

© RSCERT Not to be Republished

शिक्षक बच्चों को गिनती के साथ–साथ पहला, दूसरा, तीसरा, ... आदि स्थान की समझ दें और अभ्यास करवाएँ।

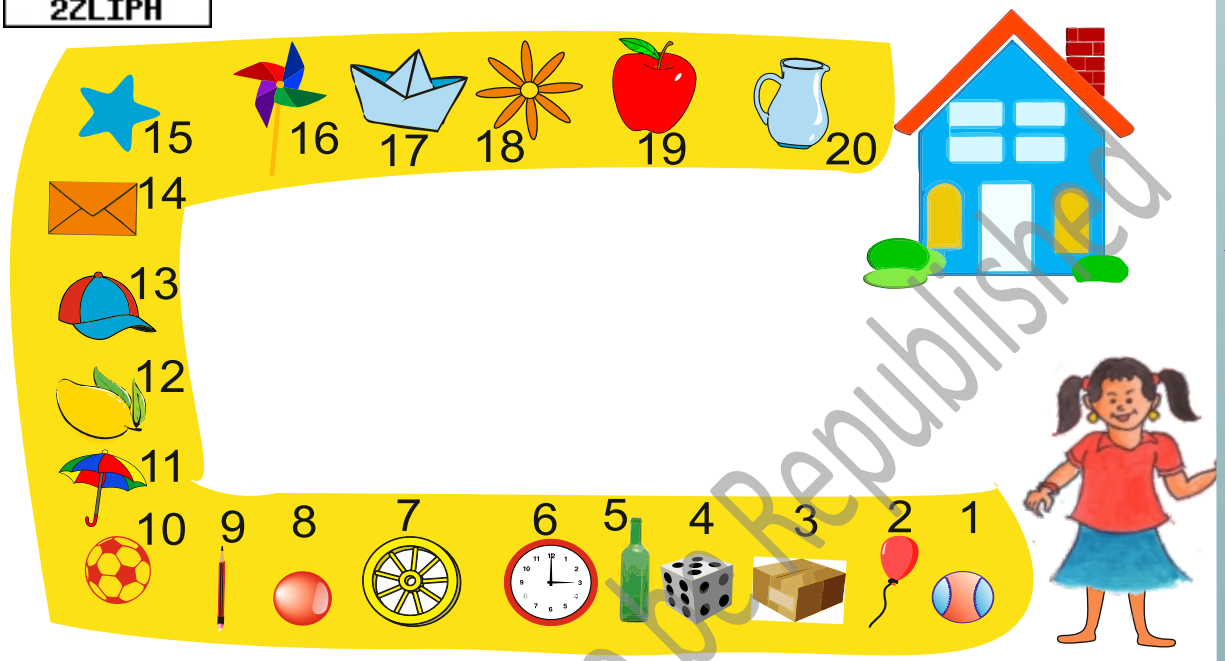

चित्र देखकर बताओ।

1. सलमा को आम खाने के लिए किस खाने पर जाना होगा ?
2. आम से दो खाने पहले सलमा को क्या मिला ?
3. सलमा को फूल किस खाने में जाने पर मिलेंगे ?
4. फूल से छः खाने पहले सलमा को क्या मिला ?
5. सलमा को पेंसिल के लिए किस खाने पर जाना होगा ?
6. छाते के लिए अब सलमा को नाव से कितने खाने पीछे की ओर जाना होगा ?
7. छाता लेकर अब सलमा को सीधे घर पहुँचना है। उसे कितने खाने आगे चलना होगा ?

© RSCERT Not to be Republished

आओ गिनना सीखें

एक जैसी आकृतियों को गिनकर उनकी संख्या सामने दिए गए बॉक्स में लिखिए–

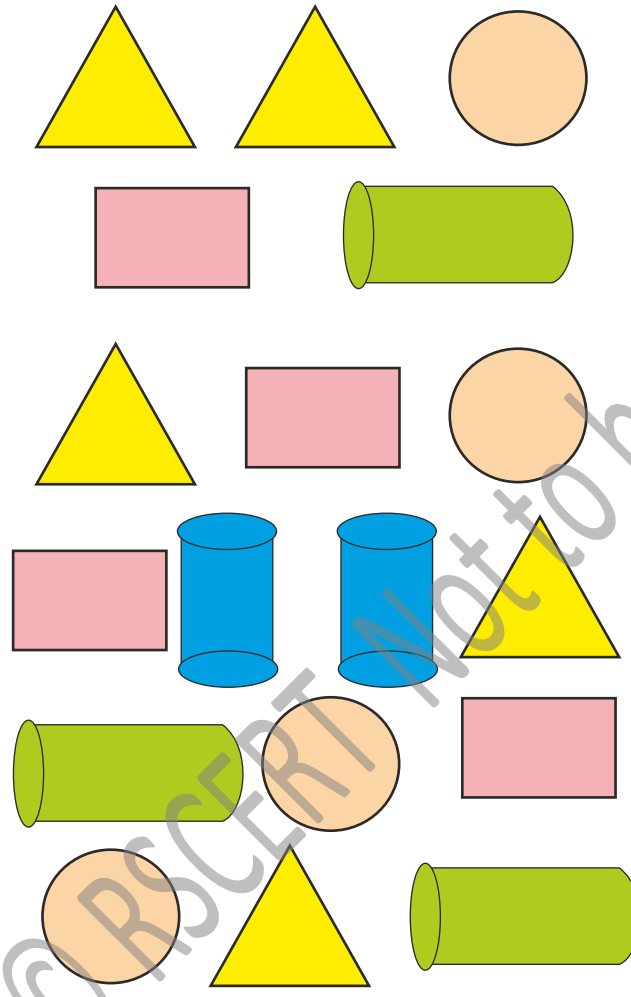

5

©RSCERT Not to be Republished